भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3910

उत्तर दिनांक 18/12/2024 को दिया गया

अमृतसर में परमाणु ऊर्जा अनुसंधान और विकास केंद्र

3910. श्री गुरजीत सिंह औजला

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार की अमृतसर की कार्यनीतिक अवस्थिति और मौजूदा अवसंरचना के मद्देनजर वहां परमाणु ऊर्जा अनुसंधान और सुविधाओं का विस्तार करने की कोई योजनाएं हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए चिकित्सा अनुसंधान, स्वच्छ ऊर्जा सृजन और रोजगार सृजन में प्रगति सहित प्रत्याशित लाभ क्या हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (घ) परमाणु ऊर्जा से संबंधित सुविधाओं में बिजली उत्पादन से लेकर स्वास्थ्य देखभाल एवं कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और विकिरण स्रोतों से जुड़े अन्य औद्योगिक उपयोग से संबंधित सामाजिक प्रौद्योगिकियों तक के उद्देश्यों की एक व्यापक श्रृंखला शामिल हैं। इन विभिन्न प्रकार की सुविधाओं में से प्रत्येक सुविधा की किसी स्थान विशेष पर निर्मित करने के लिए विशिष्ट तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करना आवश्यक हैं।

स्वच्छ नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन सुविधाओं के संबंध में, नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों का स्थल चयन निर्धारित तकनीकी आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है, जिसमें विभिन्न अभियांत्रिकी प्रणालियों के शीतलन के लिए पानी की उपलब्धता और भूकंपीयता पर विचार किया जाना शामिल है और जिसका मूल्यांकन राज्य सरकार के प्रस्ताव के अधीन किया जाना होता है।

स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा अनुसंधान के लिए, होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी) की स्थापना चंडीगढ़ में की गई है। अक्टूबर 2023 और सितंबर 2024 के बीच, एचबीसीएचआरसी में 1,70,581 रोगियों का इलाज किया गया है, जिनमें से 13,419 नए रोगी हैं। राज्य में स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने के लिए पंजाब सरकार को तकनीकी सहायता प्रस्तावित की गई है और कैंसर देखभाल के संकेंद्रित मॉडल को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

डीएई की कई विकसित समाजोपयोगी प्रौद्योगिकियाँ, प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए उपलब्ध हैं, जिनका लाभ अमृतसर सहित देश भर के उद्यमियों द्वारा उठाया जा सकता है। इसके अलावा, डीएई के चयनित अनुसंधान एवं विकास और सहायता प्राप्त संस्थानों से संबद्ध अटल उद्भवन केंद्र उद्भवन मोड के अंतर्गत इच्छुक स्टार्ट-अप को सभी तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इन प्रयासों से रोजगार सृजित होने और स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

*****